दैनिक भास्कर

जोधपुर 13-06-2024

ACE/NoGen/23-24/110 14/6/2024

प्रथम सेमेस्टर में पहली बार एनईपी लागू होने पर दी थी राहत, संकायों में मिड टर्म की परीक्षाएं जुलाई माह में प्रस्तावित

JNVU : द्वितीय सेमेस्टर में मिडटर्म पास होने पर ही मेन एग्जाम फॉर्म भरे जाएंगे, हर विषय में 40% जरुरी

एजुकेशन रिपोर्टर | जोधपुर

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में अब स्टूडेंट्स सेकेंड सेमेस्टर मिड टर्म परीक्षाओं व इंटरनल के प्रत्येक विषय में 40 प्रतिशत प्राप्तांक और कुल 40 प्रतिशत प्राप्तांक होने पर ही मेन एग्जाम फॉर्म भर पाएंगे। मिड टर्म में फेल होने पर पूरे सेमेस्टर में ही फेल मान लिया जाएगा। विवि प्रशासन ने नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक कोर्सेज में पहली बार सेमेस्टर सिस्टम लागू करने पर प्रथम सेमेस्टर में स्टूडेंट को काफी राहत दी थी। इसमें मिड टर्म व इंटरनल में प्रत्येक विषय व कुल 40 प्रतिशत प्राप्तांक नहीं होने पर भी मेन एग्जाम देने की रियायत दी गई थी। इसके अलावा मेन एग्जाम में भी प्रत्येक विषय के बजाय कुल 40 प्रतिशत प्राप्तांक होने पर भी उत्तीर्ण मान लिया था। लेकिन अब सैकेंड सेमेस्टर में एनईपी के मापदंडों में कोई रियायत नहीं दी जाएगी। विवि के संकायों में जुलाई माह में मिड टर्म परीक्षाएं प्रस्तावित की गई हैं।

जेएनवीयू ने नई शिक्षा नीति 2020 में विवि ने यूजी व पीजी सेमेस्टर के नियम लागू किए थे। इन नियमों को 15 दिसंबर 2023 की अकादमिक परिषद की बैठक में अनुमोदित करवाया था। मगर पहली मर्तबा एनईपी में सेमेस्टर सिस्टम लागू करने के चलते स्टूडेंट की पीड़ा को दैनिक भास्कर ने उजागर की थी। इस पर विवि प्रशासन ने मिड टर्म और मेन एग्जाम में कुछ राहतें दी थीं।

सैकंड सेमेस्टर में एनईपी के पूरे मापदंड होंगे लागू

प्रथम सेमेस्टर की रियायतें अब दूसरे सेमेस्टर में लागू नहीं की जाएंगी। स्टूडेंट को सैकेंड सेमेस्टर के मिड टर्म के प्रत्येक विषय में 40 प्रतिशत अंक लाना आवश्यक होगा। एनईपी में मिड टर्म के नियमों से स्टूडेंट्स के उपस्थिति के अंक, आंतरिक मूल्यांकन क्विज एंड प्रेजेंटेशन और मिड टर्म लिखित एग्जाम के कुल 30 अंकों में से प्रत्येक विषय में 12 अंक लाना जरुरी होगा। इसके साथ ही समस्त विषयों में 40 प्रतिशत प्राप्तांक होने पर ही स्टूडेंट को एग्जाम फॉर्म भरवाए जाएंगे। मेन एग्जाम में भी 40 प्रतिशत प्राप्तांक लाना जरुरी होगा।

एग्जाम फॉर्म भरने से वंचित तो सेमेस्टर फेल

एनईपी के नियमों से स्टूडेंट को मिड टर्म में 40% प्राप्तांक नहीं होने पर मेन एग्जाम फॉर्म का लिंक ही नहीं खुलेगा। समस्त संकायों को मिड टर्म के मार्क्स अपलोड करने के बाद ही एग्जाम फॉर्म का लिंक खुल पाएगा। अगर मिड टर्म में 40% अंक नहीं होने पर एग्जाम फॉर्म नहीं भरा जाने पर सेमेस्टर में ही फेल मान लिया जाएगा।

विवि सख्त, कॉलेजों में अंकों की बंदरबांट

एनईपी में सेमेस्टर पद्धति में 30 प्रतिशत अंक मिड टर्म व इंटरनल असेसमेंट करवाकर कॉलेजों को भेजे जाने होते हैं। निजी कॉलेजों व सरकारी कॉलेजों में जमकर अंकों की बंदरबांट सामने आ रही है। सरकारी कॉलेजों में बिना शिक्षकों के ही मनमाने तौर पर अंक भेज दिए गए। प्रथम सेमेस्टर के परिणाम के बाद में ऐसी ही स्थिति सामने आई कि निजी व सरकारी कॉलेजों में इंटरनल व मिड टर्म एग्जाम में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्रदान किए गए। जबकि जेएनवीयू के संकायों में काफी सख्ती के कारण कुछ स्टूडेंट्स को ही 60 प्रतिशत के आसपास भी अंक मिले हैं।

विवि में एनईपी पहली मर्तबा लागू करने के कारण से नियमों में कुछ राहत दी गई थी। मगर अब दूसरे सेमेस्टर में नियमों की पूरी तरह से पालना होगी। मिड टर्म परीक्षाएं अधिकतर संकायों में जुलाई माह में ली जाएगी। - प्रो. सुनिल मेहता, डीन, कॉमर्स फैकल्टी

- NB/WB
Richard R Kumar
All HOD's

18/6/24